RNI-NO.MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

संपादक-गोपाल गावंडे

वर्ष - 10 अंक-46 इन्दौर , प्रति मंगलवार, 12 दिसम्बर से 18 दिसम्बर 2023 पृष्ठ-8 मूल्य -2

मोहन यादव होंगे मध्य प्रदेश के नए मुख्यमंत्री, नरेंद्र तोमर को स्पीकर का जिम्मा

मध्य प्रदेश में सत्ता की कमान कौन संभालेगा, इसका फैसला हो गया है. प्रदेश की राजधानी भोपाल में आज विधायक दल की बैठक हुई. इसमें फैसला लिया गया कि मोहन यादव मध्य प्रदेश के नए सीएम होंगे. इसके साथ ही जगदीश देवड़ा और राजेंद्र शुक्ला को डिप्टी सीएम बनाया गया है. नरेंद्र सिंह तोमर को विधानसभा अध्यक्ष का जिम्मा सौंपा गया है.

मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री की कुर्सी कौन संभालेगा, इसे लेकर कई दिनों से जारी सस्पेंस आज खत्म हो गया. विधायक दल की बैठक में मोहन यादव के नाम पर सहमति बन गई है. मोहन यादव उज्जैन दक्षिण से विधायक हैं. मोहन यादव को संघ का करीबी बताया जाता है. जानकारी के मुताबिक शिवराज सिंह चौहान ने ही मोहन यादव के नाम का प्रस्ताव विधायक दल की बैठक में किया था. इस ऐलान के साथ ही सभी कयासों पर विराम लग गया है. अब सूबे की कमान मोहन यादव के हाथों में होगी.

बीजेपी ने मध्य प्रदेश में भी छत्तीसगढ़ की तर्ज पर सरकार का गठन किया है. दरअसल, एमपी में भी दो डिप्टी सीएम होंगे. ये जिम्मेदारी जगदीश देवड़ा और राजेंद्र शुक्ला को सौंपी गई है. इसके साथ ही बीजेपी के सीनियर लीडर नरेंद्र सिंह तोमर को विधानसभा अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है. वहीं शिवराज सिंह चौहान ने राजभवन पहुंचकर राज्यपाल से मुलाकात की.

ष्टरूके नाम के ऐलान के बाद मोहन यादव की पहली प्रतिक्रिया

सीएम के नाम के ऐलान के बाद मोहन यादव की पहली प्रतिक्रिया आई. उन्होंने कहा कि मैं केंद्रीय नेतृत्व, प्रदेश नेतृत्व का आभार व्यक्त करता हूं. मेरे जैसे छोटे से कार्यकर्ता को यह जो जिम्मेदारी दी है, आपके प्यार और सहयोग से मैं अपनी जिम्मेदारियां पूरी करने का प्रयास करूंगा.

कौन हैं मोहन यादव

मोहन यादव उज्जैन दक्षिण से विधायक हैं. उन्हें संघ का करीबी माना जाता है. वह शिवराज सरकार में उच्च शिक्षा मंत्री थे. वह 2013 में पहली बार विधायक बने थे. इसके बाद 2018 में उन्होंने दूसरी बार उज्जैन दक्षिण सीट से चुनाव जीता. मार्च 2020 में शिवराज सरकार के दोबारा बनने के बाद जुलाई में उन्हें कैबिनेट में शामिल किया गया था. दो जुलाई 2020 को शिवराज सिंह चौहान कैबिनेट में मंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद सूबे की राजनीति में उनका कद बढ़ा.

मोहन यादव का जन्म 25 मार्च 1965 को मध्य प्रदेश के उज्जैन में हुआ था. वह कई सालों से बीजेपी के साथ थे. मोहन यादव ने उज्जैन दक्षिण सीट से कांग्रेस के चेतन प्रेम नारायण को 12941 वोटों से हराया था. मोहन यादव साल 1990 में नौवीं और 1993 में दसवीं विधानसभा के सदस्?य रहे हैं. पटल समिति के भी सदस्य रहे हैं. साल 2003 में बारहवीं विधानसभा के सदस्?य चुने गए. इस दौरान उन्होंने राज्?य मंत्री बनाया गया था. साल 2008 में तेरहवीं विधानसभा के सदस्?य चुने जाने के बाद उन्हें सरकार में परिवहन, जेल, योजना, आर्थिक और सांख्यिकी एवं गृह विभाग की भी जिम्मेदारी दी गई.

दिल्ली से आए पर्यवेक्षकों के सामने हुआ फैसला

इस अहम फैसले से पहले बीजेपी आलाकमान ने आज भोपाल में पर्यवेक्षकों की एक टीम भेजी थी. इसमें हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर, आशा लाकड़ा और के लक्ष्मण के नाम शामिल हैं. भोपाल पहुंचने के बाद मनोहरलाल खट्टर और अन्य पर्यवेक्षक मुख्यमंत्री आवास पहुंचे थे. यहां पहुंचने के बाद उन्होंने सबसे पहले शिवराज सिंह से मुलाकात की थी. बताया जा रहा था कि खट्टर बीजेपी आलाकमान का फरमान लेकर दिल्ली से पहुंचे थे.खट्टर के भोपाल पहुंचने के बाद भी नड्डा लगातार उनके साथ संपर्क में बने हुए थे. पर्यवेक्षकों के सामने ही सीएम कौन होगा इस पर फैसला लिया गया।

आर्टिकल 370 हटाना संवैधानिक रूप से वैध

भारत के संविधान से चलेगा जम्मू कश्मीर SC के फैसले की बड़ी बातें

सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठ ने आज अनुच्छेद 370 पर ऐतिहासिक फैसला सुनाया. सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले को संवैधानिक बताते हुए कहा कि इससे जम्मू-कश्मीर को बाकी भारत से जोड़ने की प्रक्रिया मजबूत हुई है।

सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठ ने आज (11 दिसंबर) अनुच्छेद 370 पर सुनवाई करते हुए ऐतिहासिक फैसला सुनाया. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आर्टिकल-370 को बेअसर कर नई व्यवस्था से जम्मू-कश्मीर को बाकी भारत के साथ जोड़ने की प्रक्रिया मजबूत हुई है. आर्टिकल 370 हटाना संवैधानिक रूप से वैध है. सीजीआई ने सुनवाई के दौरान कहा, ऊहमें सॉलिसीटर जनरल ने बताया कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस दिया जाएगा. लद्दाख केंद्र शासित क्षेत्र रहेगा. हम निर्देश देते हैं कि चुनाव आयोग नए परिसीमन के आधार पर 30 सितंबर 2024 तक जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव करवाए. राज्य का दर्जा भी जितना जल्द संभव हो, बहाल किया जाए।

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले 16 दिनों की बहस के बाद 5 सितंबर को इस पर फैसला सुरक्षित रख लिया था. भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति संजय किशन कौल, न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, बीआर गवई और न्यायमूर्ति सूर्यकांत की पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने यह फैसला सुनाया है।

जीएसडीपी भी हुई दोगुनी

जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 के निरस्तीकरण के बाद यहां चार साल में न सिर्फ सकल राज्य घरेलू उत्पादन (जीएसडीपी) डबल हुआ, बल्कि कई अभूतपूर्व आर्थिक बदलाव भी देखने को मिला है. आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, जीएसडीपी दोगुना होकर 2.25 लाख करोड़ रुपये

13 दिसंबर को छत्तीसगढ़ CM पद की शपथ लेंगे विष्णुदेव साय, PM मोदी समेत ये बड़े नेता समारोह में हो सकते हैं शामिल

विष्णुदेव साय के साथ दो उप मुख्यमंत्री भी शपथ लेंगे। वर्तमान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव और विजय शर्मा उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

पूर्व केंद्रीय मंत्री विष्णुदेव साय 13 दिसंबर को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। विष्णुदेव साय को भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया है और वह छत्तीसगढ़ के अगले मुख्यमंत्री होंगे। विष्णुदेव साय के साथ दो उप मुख्यमंत्री भी शपथ लेंगे। वर्तमान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव और विजय शर्मा उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

पीएम मोदी भी समारोह में होंगे शामिल

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन विष्णुदेव साय को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलवाएंगे। हालांकि कितने मंत्री शपथ लेंगे, इसको लेकर अभी तस्वीर साफ़ नहीं है। शपथ ग्रहण समारोह काफी भव्य होने की उम्मीद है। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत बीजेपी के कई बड़े नेता इस शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे।

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह को भाजपा ने विधानसभा अध्यक्ष बनाने का फैसला किया है। रमन सिंह 15 साल तक छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री रहे थे और बीजेपी के वरिष्ठ नेता हैं। लेकिन अब वह विधानसभा अध्यक्ष की कुर्सी संभालेंगे। विष्णुदेव साय पूर्व सीएम रमन सिंह के करीबी माने जाते हैं और उन्होंने ही विधायक दल की बैठक में विष्णुदेव साय के नाम का प्रस्ताव रखा।

समन, इस मामले में की जाएगी पूछताछ

हेमंत सोरेन को ईडी ने छठी बार मंगलवार को पूछताछ के लिए बुलाया है। इससे पहले मामले की जांच कर रही प्रवर्तन निदेशालय पूछताछ के लिए पांच बार समन भेजा है। हालांकि पांच समन पर पूछताछ के लिए वह उपस्थित नहीं हुए। ऐसे में कल यानी 12 दिसंबर को ईडी ने पूछताछ के लिए बुलाया है। जमीन घोटाले में मुख्यमंत्री को ईडी ने पूछताछ के लिए बुलाया है।

इससे पहले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने ईडी के समन की वैधानिकता को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट से उन्हें निर्देश दिया गया कि आप हाई कोर्ट का रुख करें। ऐसे में

संपादकीय

सियासी लाभ की मंशा

तृणमूल कांग्रेस पार्टी की नेता महुआ मोइत्रा का संसद से निष्कासन एक बड़ी घटना है। राष्ट्रीय सुरक्षा को दांव पर लगाने का भी आरोप है, मेकअप के सामान गिफ्ट के रूप में लेने की पुष्टि खुद मोइत्रा कर चुकी हैं। लोकसभा की वेबसाइट के लॉगइन और पासवर्ड शेयर करने की बात भी वह मान चुकी हैं।

तृणमूल कांग्रेस पार्टी की नेता महुआ मोइत्रा का संसद से निष्कासन एक बड़ी घटना है। बेशक उन पर लगे आरोप गंभीर हैं, लेकिन आरोप-प्रत्यारोप से अलग हटकर देखें तो कई और वजहें भी हैं, जिनसे यह घटना राजनीति के साथ-साथ सामाजिक परिवेश को भी लंबे समय तक उद्वेलित करती रहेगी।

संपादक-
गोपाल गावंडे

राष्ट्रहित का सवाल= महुआ मोइत्रा पर न केवल निजी फायदे लेकर संसद में सवाल पूछने का बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा को दांव पर लगाने का भी आरोप है। कैश का लेन-देन अभी स्थापित नहीं हुआ है, लेकिन मेकअप के सामान गिफ्ट के रूप में लेने की पुष्टि खुद मोइत्रा कर चुकी हैं। ऐसे ही लोकसभा की वेबसाइट के लॉगइन और पासवर्ड शेयर करने की बात भी वह मान चुकी हैं।

कड़े तेवर की वजह= इतने गंभीर आरोपों को आंशिक रूप से ही सही, लेकिन कबूल कर लेने के बाद स्वाभाविक यही होता कि महुआ मोइत्रा और उनकी तरफदारी कर रहे लोग बचाव की मुद्रा में दिखाई देते। लेकिन न सिर्फ महुआ और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस बल्कि समूचा विपक्ष उनके साथ आक्रामक मुद्रा में खड़ा दिख रहा है। कारण शायद यह है कि महुआ पर लगे आरोपों के पीछे वे लोग हैं, जिनके पास उनसे नाराजगी की वजहें पहले से रही हैं।

अलग-अलग व्याख्याएं= यह प्रकरण इस लिहाज से भी खास है कि इसमें आरोपों से जुड़े तथ्यों को लेकर अभियोजन और बचाव पक्ष के स्टैंड में ज्यादा अंतर नहीं है। दोनों पक्ष उन तथ्यों पर सहमत हैं, फिर भी एक पक्ष उसे गंभीर अपराध बता रहा है और दूसरा उसे अपराध मानने से इनकार कर रहा है। जाहिर है, सजा दिए जाने के बाद भी इस मामले पर बहस नहीं खत्म होने वाली।

आक्रामक छवि= राजनीति में आने से पहले भी महुआ मोइत्रा का शानदार करियर रहा है। वह अपनी शर्तों पर जिंदगी जीने के लिए जानी जाती रही हैं। इस विवाद के साथ भी उनकी पर्सनल लाइफ के कुछ पहलू जोड़े गए, जिन्हें लेकर महुआ कतई डिफेंसिव नहीं रहीं। ऐसे में महिलाओं और लड़कियों का एक हिस्सा इस प्रकरण को इस रूप में भी देख सकता है कि क्या देश की मौजूदा राजनीति का पुरुषवादी स्वरूप एक मुखर और आजाद ख्याल महिला को बर्दाश्त नहीं कर पाया?

जाहिर है इस प्रकरण से उपजे सारे सवालों के जवाब तत्काल नहीं मिलने वाले। कुछ जवाबों के लिए इंतजार करना होगा। लेकिन इतना तय है कि यह प्रकरण लंबे समय तक एक मिसाल के रूप में नागरिकों के अलग-अलग समूहों की याददाश्त में अलग-अलग वजहों से गूंजता रहेगा। फिलहाल तो इसने हालिया चुनावों में हार के बाद विपक्ष को एकजुट होने का एक मौका मुहैया कराया है। यह भी लग रहा है कि महुआ की पार्टी त्रस्ट और विपक्ष इसे राजनीतिक रूप से भुनाने की कोशिश जरूर करेगा। यह देखना दिलचस्प होगा कि उन्हें इसमें कामयाबी मिलती है या नहीं।

राजनीति

गलतियों को नहीं मानना और प्रायश्चित नहीं करना ही कांग्रेस की हार की सबसे बड़ी वजह है

चार राज्यों के विधानसभा चुनावों के परिणाम के बाद तस्वीर उभरी है, उससे एक बात फिर साबित हो गई है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वास्तव में जीत की गारंटी बन गए हैं। उत्तर भारत के तीन बड़े राज्यों के चुनाव प्रचार और अन्य प्रचार माध्यमों का अध्ययन किया जाए तो यह स्पष्ट परिलक्षित हो जाता है कि इन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी ने किसी भी प्रादेशिक नेता को मुख्यमंत्री के रूप में प्रचारित नहीं किया, केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे को सामने रखकर ही भाजपा चुनावी मैदान में उतरी। आज पूरे देश में मोदी भाजपा के एक मात्र ऐसे चेहरे हैं, जिनसे मतदाताओं की सीधा जुड़ाव हो जाता है। वे अपनी सरकार के माध्यम से धरातल से जुड़ते हैं। इन चुनावों में सबसे बड़ा तथ्य यही है कि मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के पास प्रचार करने वाले नेताओं की बेहद कमी थी। भले ही कांग्रेस इस बात का दावा करती दिखाई दी कि वह फिर से सरकार बना रही है, लेकिन परिणामों के बाद कांग्रेस के वादे और दावों की हवा निकल गई।

आज जनता ने भारतीय जनता पार्टी पर जिस प्रकार से विश्वास जताया है, वह 2024 के लोकसभा चुनावों की राह को आसान करने वाला ही होगा। कांग्रेस ने इन चुनावों में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को एक नायक की तरह फिर से स्थापित करने का प्रयास किया, लेकिन हर बार की तरह इस बार भी उनके यह प्रयास सकारात्मक परिणाम नहीं दे सके। कांग्रेस का यह प्रयास शायद इसलिए भी था, क्योंकि कांग्रेस राहुल गांधी को लोकसभा के चुनावों में प्रधानमंत्री के पद के लिए प्रस्तुत करने का सपना देख रही थी। इसी के साथ विपक्षी दलों के गठबंधन में कांग्रेस के नेता प्रमुख दल की हैसियत बनाना चाहती थी। चुनावों के बाद कांग्रेस की पराजय ने एक बार फिर से गठबंधन के बीच दरार पैदा होने की स्थितियां निर्मित कर दी हैं। इसके पीछे का एक मात्र कारण यही कहा जा सकता है कि कांग्रेस के नेता आज भी अपनी गलतियों पर चिंतन नहीं कर रहे हैं, जबकि सत्य यही है कि पिछले दस सालों में कांग्रेस ने कोई उल्लेखनीय प्रगति नहीं की।

मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा की विजय और कांग्रेस की पराजय के कई निहितार्थ हो सकते हैं। जिसमें सबसे पहले तो यही कहा जा सकता है कि कांग्रेस सनातन के विरोधियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी होती दिखाई दी। वर्तमान में जब भारत में देश भाव की प्रधानता विस्तारित होती जा रही है, तब स्वाभाविक रूप से यह भी कहा जा सकता है कि अब देश के विरोध को जनता किसी भी रूप में स्वीकार करने वाली नहीं है। यह सही है कि जो सनातन को मिटाने का प्रयास करेगा, वह निश्चित ही आत्मघाती कदम कहा जाएगा। यहां विचारणीय तथ्य यह भी है कि जो भारत को मजबूत बनाने की राजनीति करेगा, उसे सनातन से जुड़ना ही होगा। जो मोहब्बत की भाषा बोलकर चुनाव लड़ेगा, उसे हिंदुत्व से तालमेल रखना ही होगा। सनातन का विरोध करने वाली राजनीति के आधार पर देश भाव का प्रकटीकरण नहीं हो सकता। आज कांग्रेस की राजनीति का मुख्य सूत्र फूट डालो और राज करो जैसा ही लगने लगा है। कांग्रेस को चाहिए कि वह भारत की राजनीति करने का प्रयास करे, वामपंथ विचार की राजनीति नहीं। यहां वामपंथ की चर्चा इसलिए भी जरूरी है कि चुनाव हारने के बाद कांग्रेस के एक बड़े नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने यह खुलकर स्वीकार किया कि वर्तमान में कांग्रेस के अंदर वामपंथ के विचार को धारण करने वाले नेता घुस आए हैं, जब तक इन नेताओं को बाहर नहीं किया जाएगा, तब तक कांग्रेस का भला नहीं होगा। इसके साथ ही वे कहते हैं कि यह कांग्रेस की हार नहीं, बल्कि वामपंथ की हार है। यह बात सही है कि आज वामपंथ देश से पूरी तरह से समाप्त हो गया है, लेकिन कांग्रेस उसे संजीवनी देती हुई दिखाई दे रही है। कांग्रेस अगर अपने स्वयं के सिद्धांतों पर राजनीति करे, तो वह अपने खोई विरासत को बचाए रख सकती है, लेकिन ऐसा लगता नहीं है। क्योंकि आज कांग्रेस अपनी भूल का प्रायश्चित करना ही नहीं चाहती।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के परिणाम को हालांकि भाजपा की अप्रत्याशित विजय के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, लेकिन तेलंगाना में कांग्रेस ने बहुमत की सरकार बनाई है। हालांकि यह विजय प्रादेशिक नेताओं के राजनीतिक प्रभाव का परिणाम है। इसे केंद्रीय नेतृत्व की सफलता के रूप में प्रस्तुत नहीं किया जा सकता। क्योंकि केंद्रीय नेतृत्व की जनमानस में स्वीकार्यता होती तो मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में इसका असर दिखाई देता। खैरज अब कांग्रेस को आत्ममंथन करना चाहिए कि वह इस तरह से अपना जनाधार क्यों खो रही है। इसके पीछे का एक मात्र कारण यह भी माना जा सकता है कि आज उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भले ही कांग्रेस के सर्वेसर्वा हैं, लेकिन कांग्रेस के नेता उन्हें इस रूप में आज भी स्वीकार करने की मानसिकता नहीं बना सके हैं। कांग्रेस की पराजय का एक कारण यह भी माना जा सकता है कि कांग्रेस उन राजनीतिक दलों का सहारा लेने में भी संकोच नहीं कर रही, जो गाहे बगाहे सनातन को कठघरे में खड़ा करने का कुत्सित प्रयास करते हैं। आज देश का दृश्य परिवर्तित हुआ है। मानसिकता में भी व्यापक परिवर्तन हुआ है। इसलिए राजनीति में जो सच है, वही कहना चाहिए। कांग्रेस को झूंठ की राजनीति के सहारे नहीं चलना चाहिए। राहुल गांधी का झूंठ कई बार प्रमाणित हो चुका है और कई बार माफी मांग चुके हैं।

आज देश की राजनीति का अध्ययन किया जाए तो यह स्वीकार करना ही चाहिए कि नरेंद्र मोदी एक ऐसे प्रभावशाली नेता बन चुके हैं जिनको देश सुनता है। ऐसे में कांग्रेस को चाहिए कि वह अपनी राजनीति में केवल अपनी ही बात करे, जितनी मोदी की आलोचना होगी, मोदी का कद और बड़ा होता जाएगा। यह राजनीति की वास्तविकता है कि मोदी का प्रचार जितना भाजपा ने नहीं किया, उससे ज्यादा विपक्षी दलों ने कर दिया। कांग्रेस इसलिए भी कमजोर हो रही है कि उसके नेता आज भी यह मानने को तैयार नहीं हैं कि वह केंद्र की सत्ता से बाहर हो चुके हैं। कांग्रेस के नेताओं की भाषा में एक अहम झलकता है। मध्य प्रदेश और राजस्थान में कांग्रेस की पराजय का कारण भी दंभ की राजनीति है। इसलिए अब कांग्रेस के नेताओं को इस बात पर विचार करना चाहिए कि उसका खोया हुआ वैभव कैसे वापस लाया जा सकता है। अगर ऐसा नहीं हो सका तो स्वाभाविक मोदी देश की एक बड़ी गारंटी बने रहेंगे।

इंदौर डबल मर्डर केस

क्राइम सीरियल देख की प्लानिंग-मृतक की तीन होटलें, यहीं जरूरतमंद महिलाओं को पैसे उधार देकर संबंध बनाता

इंदौर के डबल मर्डर के मामले में आरोपी दंपती नितिन और ममता को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दोहरे हत्याकांड में जिस रवि ठाकुर की हत्या की गई उसकी इंदौर के सरवटे बस स्टैंड पर तीन होटलें हैं। यहां कई अनैतिक कार्य किए जाते हैं।

ये तीनों होटलें वैष्णो पैलेस, हनी और होटल,सागर को रवि ठाकुर ने किराए पर लिया है। इन होटलों पर कई अनैतिक गतिविधियां संचालित की जाती हैं। यहां से रवि अकसर ऐसी महिलाओं को टारगेट करता था जिन्हें रुपयों की जरुरत होती थी। उसके नेटवर्क की महिलाएं और युवक घरेलू और कामकाजी महिलाओं को ढूंढकर रवि के पास लाते थे। रवि उन्हें पैसे उधार देता था।

हत्याकांड में मारी गई रवि की प्रेमिका सरिता भी अपने ब्यूटी पार्लर के जरिए ऐसी जरुरतमंद महिलाओं को रवि से मिलाती थी। इसलिए रवि का सरिता के घर आना-जाना लगा रहता था। आरोपी ममता को भी सरिता ने ऐसे ही रवि से मिलवाया था। इसके बाद रवि ने ममता को पैसे उधार दिए थे।

जब ममता पैसे नहीं चुका सकी तो रवि ने अन्य महिलाओं की तरह ममता को भी अपनी ही होटल में शिकार बनाया। और उसके वीडियो बना लिए। इसके बाद रवि उसे वीडियो वायरल करने के नाम से ब्लैकमेल करने लगा। यही वजह रवि और सरिता की हत्या की वजह बनी।

ये है पूरा मामला

पुलिस जब स्पॉट पर पहुंची तो कमरे दोनों मृतकों रवि और सरिता के मोबाइल गायब मिले। पुलिस ने सायबर टीम की मदद से दोनों के नंबर पर लास्ट कॉल की डिटेल निकाली। सरिता की ममता के मोबाइल पर आखिरी कॉल पर बात हुई।

इसके साथ ही पुलिस को पता चला कि रवि और सरिता के बीच लंबी बातचीत की कई रिकॉर्डिंग मिली। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी चैक किए तो घटना के वक्त सरिता के घर एक युवक और महिला आते-जाते दिखाई दिए। पुलिस ने गाड़ी नंबर हुलिये की जानकारी से ममता और कॉल रिकॉर्डिंग के आधार उसके पति को रात में ही हिरासत लेकर पूछताछ की। रातभर में दोनों ने रवि ओर सरिता की ब्लैकमेलिंग को लेकर कई खुलासे किये। हत्याकांड का खुलासा होने के बाद पुलिस ने आरोपियों के कपड़े, हथियार और मोबाइल जब्त कर लिए। इनके पास से ही रवि और सरिता के मोबाइल भी जब्त किए।

रवि के मोबाइल में कई महिलाओं के साथ अश्लील वीडियो

पुलिस को रवि के जब्त मोबाइल से कई महिलाओं के अश्लील वीडियो मिले हैं। बताया जा रहा है कि ये सभी वीडियो रवि ने अपनी ही होटलों में बनाए हैं। ये वीडियो रवि ने महिलाओं का फायदा उठाकर बनाए हैं। रवि ने ममता का वीडियो भी इसी तरह बनाया था। इसके बाद एक साल से वह ममता को ब्लैकमेल करने लगा।

ममता ने पति को बताया पूरा घटनाक्रम, यहीं से हत्या का प्लान बनाया

दरअसल, नितिन ने पत्नी ममता और रवि की मोबाइल चैटिंग पढ़ ली थी। इसके बाद दोनों के बीच जमकर विवाद हुआ। दोनों क्राइम सीरियल्स देखकर करीब 1 माह से प्लानिंग कर रहे थे। हत्या के बाद दोनों ने क्राइम सीन भी बदला। सरिता के मोबाइल से बेटी ईशिता को मैसेज किए।

रवि और सरिता के मोबाइल व खून से सने अपने कपड़े घर लाकर जला दिए। पुलिस ने साक्ष्य नष्ट करने की भी आरोपियों पर धारा बढ़ाई है। एडिशनल डीसीपी आलोक शर्मा ने बताया कि कुछ महीने पहले ही सरिता ने ममता को रवि से मिलवाया था। रवि

महिलाओं पर रईसी का रौब जमाता था।

पहले सरिता को गला रेतकर मारा, फिर फोन कर रवि को बुलाया, तलवार से किए 22 वार

ममता व नितिन ने हत्या के लिए दोपहर का वक्त चुना। दोनों खजराना स्थित घर से बाइक से निकले। रास्ते में बाइक छोड़ी और ऑटो से सरिता के घर के पास तक पहुंचे। पहले दोनों ने सरिता का मुंह दबाकर गला रेत दिया ताकि पड़ोसियों को पता ना चले।इस बीच, ममता ने रवि को सरिता के फोन से कॉल कर मिलने बुला लिया था। रवि वहां पहुंचा तो उसे ममता ने बाहर के कमरे में ही रोककर बातों में उलझा लिया। तभी नितिन ने सरिता के घर में रखी तलवार से उस पर ताबड़तोड़ 22 वार किए। रवि वहीं निढाल हो गया।

रवि के भाई ने कहा, पैसे, सोने की चेन, अंगूठी ले भागे आरोपी

इधर, रवि के भाई ने गोलू वर्मा ने बताया कि ममता ने भैया को फोन कर बुलाया था। वे घर से डेढ़ लाख रुपए लेकर निकले थे। हत्या के बाद भाई के डेढ़ लाख रुपए, सोने की चेन, अंगूठी भी ले भागे। भैया के सरिता से अवैध संबंध नहीं थे। वहीं, सरिता के भतीजे विजय ने बताया रवि ठाकुर समाज के थे। हमारी काकी सरिता से उनके घर जैसे संबंध थे। बेटी ईशिका रवि के बच्चों को राखी बांधती थी।

बैककर्मी सहित तीन पर केस-साढ़े आठ लाख के लोन में बीस लाख की कर रहे थे मांग

इंदौर में टेलर के सुसाइड के मामले में पुलिस ने बैंक के कर्मचारी सहित तीन लोगों पर आत्महत्या के लिये उकसाने और लोन से ज्यादा रुपये मांगने के मामले में केस दर्ज कर लिया है। आरोपियों ने पीड़ित को मकान खाली करने को लेकर दबाव बना रहे थे। जिससे वह काफी परेशान हो गया।चंदन नगर पुलिस के मुताबिक मुकेश जायसवाल ने सितंबर 2023 में जहर खाकर जान दे दी। सुसाइड के पहले उसे चार पन्ने का नोट लिखा। जिसमें सुनील निमोले निवासी राजनगर, मोतीलाल ओसवाल और प्रमोद निनावा पर आरोप लगाए।मुकेश ने टीआई के नाम से लेटर में जिक्र करते हुए लिखा कि उसने मकान के लिये साढे आठ लाख का लोन लिया। इसके बदले में करीब वह दस लाख रूपये भर चुका। लेकिन तीनों उस पर और दस लाख का हिसाब निकालकर ले आए।

रुपए नहीं देने के चलते वह मकान खाली करने को लेकर दबाव बनाने लगे। इसके चलते उसने जान दे दी। पुलिस ने इस मामले में तीन माह बाद आरोपियों पर जांच कर कार्रवाई की।

लड़की भगाकर लाए युवक ने लगाई फांसी, कडंक्टर ने भी ससुराल में दी जान

इंदौर के आजाद नगर में किराये के घर में सात दिन पहले रहने आए एक युवक ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। वह मूल रूप से सेंधवा का रहने वाला है। बताया जाता है कि आठ दिन पहले वह गांव से एक लड़की को भगाकर लाया। इसके बाद शनिवार को उसकी मोबाइल पर गांव में ससुराल के लोगो से कहासुनी हुई।

आजाद नगर पुलिस के मुताबिक बालू सिंह (18) पुत्र साहेब राव निवासी अभिलाषा नगर ने रविवार को कमरे में फांसी लगा ली। वह सतीश के यहां किराये से रहने आया। बालू सिंह की परिचित युवती कविता सोलंकी ने उसे यहां कमरा दिलाया। सतीश के बेटे के ने बालू सिंह को कमरे में लटकते देखा।

झगड़े की रस्म को लेकर हुई कहासुनी

बताया जाता है कि आठ दिन पहले सेंधवा से बालूसिंह अपने साथ एक लड़की को लेकर इंदौर आ गया। यहां उसने कमरा किराये से ले लिया ओर बताया कि वह काम के सिलसिले में आया है। इसके बाद बाद परिवार के लोगो को पता चला कि बालूसिंह इंदौर में है। चूंकि बालूसिंह आदिवासी समाज से है तो झगड़े की रस्म को लेकर बात की गई। इसे लेकर उसकी मोबाइल पर कहासुनी हुई ओर उसने इसके बाद डिप्रेशन में फांसी लगा ली।

कंडक्टर ने भी ससुराल में लगाई फांसी

एमआईजी इलाके की पंचम की फेल में भी कंडक्टर ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। पुलिस के मुताबिक मृतक का नाम अविनाश चौहान निवासी जूनी इंदौर है। वह पेशे से बस कंडक्टर है। कुछ दिनों से वह पत्नी के पास ससुराल में रूका हुआ था। रविवार शाम ससुराल के लोगो ने उसे फंदे पर लटके देखा। उसके पैर में चोट के निशान भी है। इसे लेकर परिवार के लोगो ने आरोप लगाए है।

जहर खाकर दी जान

हीरानगर इलाके में रहने वाले कैलाश (45) पुत्र लालजीराम ने निवासी शक्कर खेड़ी को जहर खाने के चलते उपचार के लिये एमवाय में भर्ती कराया गया। यहां उसकी मौत हो गई। कैलाश का शव पोस्टमॉर्टम के लिए मॉर्चुरी में रखवाया गया। परिवार के बयान भी लिये जाएंगे। वहीं द्वारका पुरी के अहीर खेड़ी में भी 55 साल के प्रकाश पुत्र हरदे की गिरने से मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम किया है।

कारोबारी के घर में 20 लाख की चोरी-शादी में शामिल होने सिमरोल गए, बदमाशों ने की वारदात

इंदौर के लसूड़िया इलाके में बदमाशों ने 20 लाख रूपये की चोरी की वारदात को अंजाम दिया। बताया जाता है कि चोरी की वारदात एक कारोबारी के घर में उस समय हुई। जब वह शादी में शामिल होने सिमरोल गए हुए थे। पुलिस के मुताबिक रविवार को पवन जैन निवासी महालक्ष्मी नगर अपने परिवार के साथ सिमरोल स्थित फार्म हाउस में एक शादी में गए।

इस दौरान वापस आने पर उन्होंने देखा कि घर का सामान अंदर बिखरा हुआ है। अंदर की अलमारियों से बदमाशों ने करीब 15 लाख रूपये कीमत के सोने के जेवर ओर 5 लाख रुपए कैश पर हाथ साफ कर दिया। बदमाश छत के रास्ते पवन के घर में घुसे थे। रात में डायल 100 को मामले की जानकारी दी गई। जिसके बाद पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। पुलिस को बदमाशों के कुछ फुटेज भी हाथ लगे हैं।

इंदौर-बैतूल हाईवे पर ट्राले की टक्कर से पैदल जा रहे युवक की मौत

नेमावर में इंदौर-बैतूल हाइवे स्थित दाना बाबा चौराहे पर हरदा से इंदौर की तरफ जा रहे ट्राले ने पैदल जा रहे एक युवक को टक्कर मार दी। हादसे में युवक को गंभीर चोट लगी और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी लगते ही नेमावर पुलिस मौके पर पहुंची व मौका मुआयना कर पंचनामा बनाकर शव को अस्पताल पहुंचाया गया।

टीआई सुरेखा निमोदा ने बताया मृतक की शिनाख्त 22 वर्षीय दिलीप पुत्र शोभाराम गोंड निवासी सगोड़ा थाना हंडिया जिला हरदा के रूप में हुई है। ट्राला जब्त कर आरोपित चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले में मर्ग कायम करने सहित ट्राला चालक के खिलाफ धारा 304-ए के तहत केस दर्ज किया गया है।

शक्ति की अभिव्यक्ति ही प्रेम की अभिव्यक्ति

जन्मदिन पूजा के अवसर पर संदेश अभी-अभी मैंने इन्हें भारतीय सहयोगियों को बताया कि वह अहम चलित पाश्चात्य समाज की शैली की नकल करने का प्रयत्न करें क्योंकि उसमें यह लोग कठोर शब्द प्रयोग करते हैं और ऐसा करके हम सोचते हैं कि हम आधुनिक हो गए हैं वह ऐसे कठोर शब्दों का उपयोग करते हैं मैं क्या परवाह करता हूं ऐसे सभी वाक्य जो हमने कभी प्रयोग नहीं किए ऐसे वाक्यों से हम परिचित नहीं हैं किसी से भी ऐसे वाक्य कहना अभद्रता है

किस प्रकार आप कह सकते हैं मैं तुमसे घृणा करता हूं परंतु अब मैंने लोगों को इस प्रकार बात करते देखा है कि हम में क्या दोष है आप ऐसा कहने वाले कौन होते हैं यह हमारा बात करने का तरीका नहीं है किसी भी अच्छे परिवार का व्यक्ति इस प्रकार बात नहीं कर सकता क्योंकि इस प्रकार की बातों से उसका परिवार प्रतिबिंबित होता है परंतु यह पाश्चात्य देशों की अपेक्षा भाषा की नकल अधिक होती है जिस प्रकार लोग बसों में टैक्सियों में रास्ते में बातचीत करते हैं उस पर मुझे हैरानी होती है यह मेरी समझ में नहीं आता अतः मैंने उनसे कहा है कि भाषा प्रेममय तथा हमारी पारंपरिक शैली में होना चाहिए इस प्रकार तो हम अपने बच्चों को भी नहीं डांटते अपने बच्चों को भी यदि हमने डांट ना हो तो तब भी हम ऐसी भाषा का

उपयोग नहीं करते हैं जो उन्हें सामान्य में बनाए श्रेष्ठ मानव सुधार यदि आवश्यकता हो तो हम इस प्रकार सुधार किया करते थे दूसरी विधि ठीक नहीं है क्योंकि इससे सुधार नहीं होता देखिए दूसरे तरीके से आप अपने बच्चों को नियंत्रित नहीं कर सकते हर समय आप उन्हें डांटते रहते हैं अपमानित करते रहते हैं अन्य लोगों को अपमानित करते रहते हैं अपमानजनक तरीके और भावनात्मक धमकी तथा यह सारी व्यवस्था इस देश की परंपरा नहीं है ऐसा करने वाले लोग को बाहर फेंक दिया जाएगा आपको ऐसा नहीं करना चाहिए मैं आपको बताती हूं कि सहज योग में आप ऐसा नहीं कर सकते लोगों को अपमानित करने की उनके लिए अपमानजनक परिस्थितियां उत्पन्न करने की धारणाएं आप में नहीं होनी चाहिए यह सब आधुनिक शैली है अतः हमें ऐसा नहीं करना चाहिए सहज योग में हमें अत्यंत गरिमामय आचरण करना चाहिए जो हमारी शैली और हमारी परंपरा के अनुरूप हो सहज योग की परंपरा यह है कि हम लोगों से अत्यंत सभ्य मधुर इसने हमारे एवं प्रोत्साहित करने वाले तरीके से व्यवहार करें हम सबको इसी प्रकार बोलना चाहिए अतः पहली बात मैं यह बताती हूं कि अपने प्रेम की अभिव्यक्ति करते हुए आपको चिल्लाना नहीं चाहिए मैं उन लोगों पर चिल्लाती हूं जिनमें भूत है मेरे चिल्लाने से भूत भाग जाते हैं परंतु यदि आप चिल्ला आएंगे तो आप को भूत पकड़ लेंगे भूत भागेंगे नहीं आता बेहतर होगा कि आप चिल्लाए नहीं यदि आप मैं मेरी तरह से शक्तियां हैं तो आप ऐसा कर सकते हैं परंतु आप में यह शक्तियां नहीं है किसी भूत वाले व्यक्ति पर यदि आप चिल्ला आएंगे तो भूत आपको पकड़ लेंगे अतः सावधान रहें मेरी विधियां ना अपनाएं मैं बिल्कुल भिन्न प्रकार की व्यक्ति हूं और सोच समझ कर बात करती हूं आप ऐसा नहीं करते अतः यदि आपने मेरी बातों का अनुसरण करना हो तो मेरी क्षमा प्रेम और स्नेह आदि गुणों को अपनाएं उन चीजों को नहीं जहां में भयंकर होती हूं अब मैं दो चीजें मांग रही हूं बड़ी अटपटी सी बात है मां अपने मुंह से कोई उपहार मांगे जो उपहार आपने देना है उसमें पहली चीज तो यह है कि आपके चरित्र में शक्ति की अभिव्यक्ति होना चाहिए परंतु इसका अर्थ यह भी नहीं कि शांत लोग भेरु होते हैं अस्वस्थ जो सभी मूर्तियों को सहन कर लेते हैं नहीं परंतु वह शांतिपूर्वक विरोध करने वाले लोग होते हैं आपको किसी चीज से भय नहीं है किसी चीज के आगे आपने झुकना नहीं है किसी चीज से समझौता नहीं करना है परंतु आप में ऐसे स्वभाव का विकसित होना अत्यंत आवश्यक है दूसरी चीज यह है कि आपकी इस शक्ति से आपके प्रेम की अभिव्यक्ति होना चाहिए प्रेम व स्नेह पूर्वक व्यवहार करना चाहिए आप जो चाहे करें चाहे भूखे रहें परंतु अन्य लोगों से करुणा एवं स्नेह पूर्वक व्यवहार करें ताकि अन्य लोगों पर प्रभाव पड़े और वह सोचे कि यह व्यक्ति अकखड़ नहीं

फ्रिज के इस हिस्से में रखेंगे अदरक, तो महीनेभर बनी रहेगी ताजी और रस से भरी

अदरक ऐसी चीज है, जिसके बिना व्यंजनों का स्वाद अधूरा है। वहीं चाय में तो अगर ये न डले, तो मजा ही नहीं आता। हालांकि, इसके लिए इसे स्टोर करने का सही तरीका भी जानना जरूरी है, नहीं तो बार-बार अदरक खराब हो जाती है और फिर इसके बिना ही चाय पीनी पड़ जाती है।

चाय बने और उसमें अदरक न हो, इसके बिना तो पूरा स्वाद ही फीका सा पड़ जाता है। रसीली अदरक का रस जब पानी, दूध, शक्कर और पत्ती के साथ मिलता है और उसमें अपना तीखा स्वाद जोड़ता है, तो चाय ऐसी बन उठती है, जो पूरा थकान दूर कर देती है। लोग चाहे कितनी ही काली मिर्चा, इलायची और लौंग डाल लें, लेकिन असली मजा तो इस जड़ के डालने से मिलने वाले स्वाद में ही है।

हालांकि, अदरक को लंबे समय तक रखना थोड़ा चैलेंजिंग होता है, जिससे कई बार ऐसे मौके आ जाते हैं, जब इसके बिना ही चाय बनानी पड़े। लेकिन हम आपको वो तरीका बताने जा रहे हैं, जो आपको कभी ऐसी स्थिति में नहीं आने देगा।अदरक को स्टोर करने से जुड़ी दो तरह की परेशानी आती है। पहली तो ये कि ज्यादा दिन रखे रहने पर इसका रस सूख जाता है। दूसरी परेशानी ये कि अगर इसमें नमी रहे, तो कुछ ही दिनों में इस पर फफूंद आ जाती है। ये दोनों ही वो स्थितियां हैं, जिसमें अदरक का इस्तेमाल करना असंभव हो जाता है।ज्यादातर लोग अदरक को बाहर ही रखते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसे फ्रिज में भी स्टोर करके रखा जा सकता है। रेफ्रिजरेटर में रखने पर ये सब्जी ज्यादा दिन इस्तेमाल में लाई जा सकती है। हालांकि, ये जरूर ध्यान रखें कि फ्रिज के किस हिस्से में आप इसे रख रहे हैं।

अदरक को अगर आप नीचे वाले या बीच के किसी हिस्से में रखेंगे, तो इसमें फफूंद लग जाने का ज्यादा डर रहता है। वहीं अगर आप इसे फ्रिज डोर की सबसे ऊपर या उससे नीचे वाली ट्रे-प्लेस में रखेंगे, तो महीनेभर तक इसे ताजा और रसीला रखा जा सकता है।

क्या सांसद साहू को लौटा दिए जाएंगे जब्त 350 करोड़? जानें क्या हैं आयकर नियम

ओडिशा में एक डिस्टिलरी कंपनी के मालिक और कांग्रेस पार्टी के राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू के ठिकानों पर चल रही आयकर विभाग की छापेमारी में अब तक 350 करोड़ रुपये से अधिक कैश जब्त किए जा चुके हैं. इसके बावजूद अब भी नोटों की गिनती जारी है. ऐसे में सभी के मन में एक अहम सवाल उठ रहा है कि नकदी की जब्ती वगैरह तो सब ठीक है, लेकिन इन पैसों का होता क्या है. क्या ये पैसे वापस आरोपी को लौटा दिए जाते हैं या फिर इस रकम को सरकारी खजाने में जमा करा दिया जाता है।

कौन करता है छापेमारी?

सबसे पहले इसी सवाल से शुरू करते हैं. देश में अवैध या काले धन के खिलाफ कौन एजेंसी कार्रवाई कर सकती है. इसमें तीन नाम हैं. प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और आयकर विभाग (आईटी). ये तीनों एजेंसियां भारत सरकार के अधीन हैं और ये आशंका या पुख्ता जानकारी होने पर किसी भी व्यक्ति के घर या उसके अन्य ठिकाने भी अचानक छापेमारी कर सकती हैं. इसमें राज्य सरकारों की कोई भूमिका नहीं होती है।

कहां रखे जाते हैं पैसे

जब सीबीआई, ईडी या फिर आईटी छापेमारी में कहीं नकदी पकड़ती है वह सबसे पहले आरोपी से पैसे के स्रोत की जानकारी मांगती है. जब आरोपी संतोषजनक जवाब देने में विफल होता है तो नकदी को मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम कानून के तहत काला धन माना जाता है. यहीं से नकदी को जब्त करने की कार्रवाई शुरू की जाती है. इसके बाद एजेंसी अपने नजदीकी स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को बुलावा भेजता है. इसके साथ जब्त नकदी की पूरी डिटेल रिपोर्ट बनाई जाती है. बैंक नोटों की गिनती की प्रक्रिया शुरू करता है. गिनती पूरी होने के बाद निष्पक्ष गवाहों की उपस्थिति में नोटों को पेटियों में भरकर सील किया जाता है. फिर इसे एसबीआई शाखा ले जाया जाता है. वहां उस पूरे रकम को एजेंसी के पर्सनल डिपोजिट अकाउंट में जमा कराया जाता है. बाद में यह रकम केंद्र सरकार के खाते में जमा कराया जाता है

नकदी का इस्तेमाल?

यहां ध्यान रखने की बात यह है कि एजेंसी की छापेमारी भर से आरोपी दोषी साबित नहीं हो जाता है. इस पूरे मामले की सुनवाई कोर्ट में शुरू होती है. जब तक कोर्ट में केस पेंडिंग रहता, तब तक इस पैसे का कोई इस्तेमाल नहीं कर सकता. कोर्ट द्वारा आरोपी को दोषी ठहराने के बाद जब्त नकदी और कीमती चीजें सरकारी संपत्ति हो जाती हैं. केस में बरी होने पर आरोपी को ये सारे पैसे लौटा दिए जाते हैं.

पेनाल्टी देकर वापस ले सकते हैं पैसे?

स्पष्ट तौर इस बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता. इस पूरे मामले को समझने के लिए हमें 23 दिसंबर 2021 को उन्नाव के इत्र कारोबारी पीयूष जैन के यहां हुई छापेमारी और उसमें जब्त किए गए 196 करोड़ रुपये की नकदी और अरबों रुपये के सोने की चर्चा करनी होगी. हालांकि, हालिया रिपोर्ट के मुताबिक इस केस में पीयूष जैन को जमानत मिल गई है. वह जेल से बाहर आ चुके हैं. लेकिन, अभी तक उनको पैसे वापस नहीं मिले हैं. रिपोर्ट के मुताबिक छापेमारी के कुछ दिन बाद ही पीयूष ने पेनाल्टी जमा करने की इच्छा जताई थी. उन्होंने 52 करोड़ रुपये पेनाल्टी भरने की बात कही थी. लेकिन, जीएसटी इंटेलिजेंस महानिदेशालय ने इसे खारिज कर दिया था।

24 मई, 2023 की हिंदुस्तान टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक पीयूष जैन के ठिकानों से 196 करोड़ रुपये की नकदी और 23 किलो सोना बरामद किया गया था. जीएसटी इंटेलिजेंस महानिदेशालय ने उन पर 497 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है. पूरा मामला अब भी अदालत में है और पैसे एसबीआई बैंक में जमा हैं।

छापेमारी के बाद करें

अगर आरोपी को लगता है कि उसके यहां छापेमारी गलत नीयत से की गई है. उसका आर्थिक रिकॉर्ड साफ-सुथरा है. उसने कोई गड़बड़ी नहीं की है तो वह पूरे मामले को सीधे हाईकोर्ट में चुनौती दे सकता है. इसके अलावा वह आयकर अपील कमिश्नर के पास भी अर्जी लगाकार शिकायत कर सकता है. इस शिकायत में वह छापेमारी को चुनौती देने के साथ-साथ आयकर विभाग द्वारा उसकी संपत्ति के असेस्मेंट पर भी सवाल कर सकता है. इसके आधार पर आयकर विभाग को बताना होगा कि उसने किस तरीके से संपत्ति की गणना की है।

3 दोस्त, प्यार और ब्रेकअप के इमोशन्स को बयां करती है

खो गए हम कहां

ट्रेलर हुआ रिलीज

फिल्म में अनन्या पांडे **अहाना** का किरदार निभाती नजर आने वाली हैं. सिद्धांत चतुर्वेदी **इमाद** बने हैं और आदर्श गौरव **नील** के रोल में नजर आ रहे हैं. अब बात करते हैं ट्रेलर की तो दो मिनट 40 सेकेंड के ट्रेलर में मुंबई बैकड्रॉप में नजर आती है.बॉलीवुड की मोस्ट अवेटेड फिल्म **खो गए हम कहां** का ट्रेलर रिलीज हो चुका है. सोशल मीडिया पर इसका बज बना हुआ है. फिल्म में अनन्या पांडे, आदर्श गौरव और सिद्धांत चतुर्वेदी लीड रोल में नजर आ रहे हैं. ट्रेलर काफी दमदार नजर आता है. कहानी बयां करता है उन 3 दोस्तों की जो अपनी लाइफ जीना चाहते हैं, पर अपनी टर्म्स पर. ब्रेकअप होता है, दिल टूटता है, पर दोस्ती नहीं टूटती।

रिलीज हुआ फिल्म का ट्रेलर

फिल्म में अनन्या पांडे **अहाना क**ा किरदार निभाती नजर आने वाली हैं. सिद्धांत चतुर्वेदी **इमाद** बने हैं और आदर्श गौरव **नील** के रोल में नजर आ रहे हैं. अब बात करते हैं ट्रेलर की तो दो मिनट 40 सेकेंड के ट्रेलर में मुंबई बैकड्रॉप में नजर आती है. कहानी 3 दोस्तों की दोस्ती के ईर्द-गिर्द घूमती है. फिल्म सोशल मीडिया को सेलिब्रेट करती नजर आती है. साथ ही किस तरह ये तीन दोस्त अपनी पर्सनल लाइफ में परेशान होते हैं और परिवार के साथ बॉन्डिंग बनाने की कोशिश करते हैं, यह दर्शाती है. ट्रेलर अगर गौर से देखा जाए तो इसमें कल्कि केकलां लीड रोल में नजर आती हैं. यूथ से जुड़ा इसमें फुल ड्रामा दिखाया गया है. फिल्म मेलेनियल्स और जेन जी के लोग देख सकते हैं. नेटफ्लिक्स पर ये 26 दिसंबर को रिलीज हो रही है. जोया अख्तर और रीमा कागती ने इसे सात में लिखा है और न्यूकमर अर्जुन सिंह ने इसे निर्देशित किया है. वैसे बता दें कि जोया अख्तर आजकल अपनी फिल्म **द आर्चीज** को लेकर भी सुर्खियों में आई हुई हैं।

भारत को मिल गया नया सुरेश रैना... धरती को खोदकर निकाली गेंद, आदर्श सिंह का गजब कैच

दुबई। भारतीय टीम को अंडर-19 एशिया कप 2023 के एक मुकाबले में पाकिस्तान से जरूर हार मिली, लेकिन उस मैच में कई ऐसी बातें हुईं, जो भविष्य के लिए काफी मायने रखती हैं। इस मैच में जहां भारतीय बल्लेबाजों ने फाइटिंग स्पिरिट दिखाई तो दूसरी ओर, फील्डिंग में आदर्श सिंह ने एक ऐसा कैच लपका, जिसने दुनिया को सुरेश रैना की याद दिला दी। अपने समय में सबसे तेज तर्रार फील्डरों में शामिल रहे रैना स्लिप में कई ऐसे कैच लपके, जिसका किसी को अंदाजा नहीं होता था। वह बाउंड्री के अलावा स्लिप और पॉइंट के भी दमदार फील्डर थे। गेंद उन्हें चकमा नहीं दे पाती थी।

अब कुछ ऐसा ही देखने को मिला है। दरअसल, भारतीय टीम ने पहले बैटिंग करते हुए दुबई के आईसीसी अकैडमी ग्राउंड पर निर्धारित 50 ओवरों में 9 विकेट पर 259 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की खराब शुरुआत रही। इसका श्रेय आदर्श सिंह को जाता है। पारी के छठे ओवर में मुरुगन अभिषेक की बाहर निकलती गेंद पर ओपनर शैमिल हुसैन ने करारा प्रहार किया। गेंद स्लिप से निकल ही रही थी कि उत्तर प्रदेश के आदर्श सिंह ने दाएं हाथ से गेंद को लपक लिया। बेहद कम समय में उनके पास पहुंची गेंद बेहद नीची थी, लेकिन इस फील्डर ने उसे धरती से उखाड़ते हुए अपने पाले में लिया। इस तरह हुसैन की पारी 8 रनों पर खत्म हुई। इस कैच की तुलना सोशल मीडिया पर सुरेश रैना से हो रही है। दुनिया के सबसे तेज तर्रार फील्डरों में शामिल रहे रैना इसी तरह के कैच लपका करते थे। किसी भी फील्डिंग पोजीशन पर गेंद को उन्हें छकाने के लिए मेहनत करनी पड़ती थी। कई ऐसे मैच हुए जहां रैना के कैच ने भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इसी आदर्श सिंह ने हाफ सेंचुरी भी जड़ी।इसके बाद एक और विकेट मुरुगन अभिषेक के नाम रहा। उन्होंने शाहजेब खान को 63 रनों के निजी स्कोर पर मुशीर खान के हाथों कैच आउट कराया। हालांकि, यहां से अजान अवैश ने 130 गेंदों में 10 चौके की मदद से नाबाद 105 और साद बेग ने 51 गेंदों में 8 चौके और एक छक्का की मदद से नाबाद 68 रनों की पारी खेलते हुए पाकिस्तान को जीत दिला दी।

तीसरे टी20 भारत ने इंग्लैंड को दी शिकस्त, गेंदबाज़ों के कमाल ने 5 विकेट से दिलाई जीत

भारत और इंग्लैंड की महिला टीमों के बीच खेला गया तीसरा टी20 मुकाबला मेज़बान भारत के नाम रहा. हालांकि टीम इंडिया शुरुआत दो मुकाबले हारने के बाद पहले ही सीरीज़ गंवा चुकी थी.

भारत दौरे पर मौजूद इंग्लैंड की महिला टीम को तीसरा टी20 गंवाना पड़ गया. मुकाबला भारत की गेंदबाज़ों के नाम रहा. पहले बैटिंग करने उतरी इंग्लैंड को महिला भारतीय टीम की गेंदबाज़ों ने 20 ओवर में 126 रनों पर ऑलआउट कर दिया और फिर लक्ष्य का पीछा करते हुए 19 ओवर में 5 विकेट पर जीत अपने नाम कर ली. भारत के लिए साइका इशाक और श्रेयांका पाटिल ने 3-3 विकेट चटकाए. इसके अलावा रेनुका सिंह और अमनजोत कौर ने 2-2 विकेट अपने खाते में जोड़े.

मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर बॉलिंग करने का फैसला किया, जिसे भारतीय गेंदबाज़ों ने पूरी तरह से गलत साबित कर दिया. इंग्लैंड के लिए कप्तान हीथर नाइट ने सबसे बड़ी 52 रनों की पारी खेली, जिसमें 3 चौके और 3 छक्के शामिल रहे. इसके अलावा ऐमी जोन्स ने 21 गेंदों में 3 चौकों की मदद से 25 रन बनाए. वहीं टीम के कुल 7 बल्लेबाज़ दहाई का आंकड़ा भी पार नहीं कर सकीं, जिसमें 4 बल्लेबाज बिना खोले पवेलियन लौटीं.

एक ओवर रहते हुए दर्ज की जीत

इंग्लैंड को 126 रनों पर रोकने के बाद लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम इंडिया ने 1 ओवर पहले ही जीत अपने नाम कर ली. हालांकि टीम का पहला विकेट शेफाली वर्मा के रूप में तीसरे ओवर में ही गिर गया था, जो 6 रन बनाकर पवेलियन लौटीं. फिर दूसरे विकेट के लिए स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिग्स 57 (55 गेंद) रनों की साझेदारी की, जिसका 12वें ओवर में जेमिमा के विकेट से अंत हुआ. जेमिमा ने 33 गेंदों में 4 चौकों की मदद से 29 रन बनाए.

इसके बाद 16वें ओवर में दीप्ति शर्मा 12 रन बनाकर, अर्धशतक की ओर बढ़ रहीं स्मृति मंधाना 17वें ओवर में 48 रन बनाकर और 19वें ओवर में ऋचा घोष 02 रन बनाकर पवेलियन लौटीं. मंधाना ने टीम के लिए 48 रनों की सबसे बड़ी पारी खेली, जिसमें 5 चौके और 2 छक्के शामिल रहे. कप्तान हरमनप्रीत कौर और अमनजोत कौर टीम को जीत दिलाने के वक़्त नाबाद रहीं. कप्तान 06 और अमनजोत 10 रन बनाकर नाबाद पवेलियन लौटीं.

RESIDENTIAL PLOTS
FOR SALE

SATGURU NAGAR
INDORE - KHANDWA ROAD

तुरन्त रजिस्ट्री। तुरन्त पजेशन

PLOT SIZE:-
12*50 = 600, SQFT
15*40= 600SQFT
15*50= 750SQFT
20*50= 1000 SQFT

1111/- SQFT

Book an appointment now:
8889066688, 9109639404

WWW.GATEWAYGHAR.IN

नर्मदापुरम में 33 लोग फूड-प्वाइजनिंग का मामला

सगाई समारोह में खाना खाने से बिगड़ी तबीयत, दो की हालत गंभीर

नर्मदापुरम से 25 किमी दूर ग्राम डोव झिरना गांव में एक सगाई समारोह के दौरान भोजन करने से 33 लोग फूड प्वाइजनिंग का शिकार हो गए। महिला-पुरुष उल्टियां करने लगे। मरीजों को इलाज के लिए माखननगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लाया गया है। बताया जा रहा है सगाई समारोह में पूरी और सब्जी में कोई खराबी होने से लोगों की तबीयत बिगड़ी। देर रात से एक-एक कर उल्टी-दस्त के कारण लोग बीमार होने लगे। सुबह से एक-एक कर उल्टी दस्त के मरीज माखननगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे।

माखननगर जनपद के गांव डोव झिरना में एक आदिवासी परिवार में सगाई समारोह का आयोजन था। रात को भोजन का कार्यक्रम रखा गया था। भोजन में पूरी सब्जी सहित मिठाई शामिल थी। लगभग 60 लोगों ने खाना खाया। जिसमें से लगभग 33 लोगों को फूड प्वाइजनिंग की शिकायत हो गई । फूड प्वाइजनिंग के चलते उल्टी दस्त के शिकार हुए मरीजों को माखननगर के सामुदायिक स्वास्थ केंद्र में भर्ती किया गया है। जहां उनका इलाज किया जा रहा है। डॉक्टर देवांश उपाध्याय ने बताया 33 लोग फूड प्वाइजनिंग के शिकार हुए। दो मरीजों की हालत गंभीर होने से उन्हें उन्हें नर्मदापुरम जिला अस्पताल रेफर किया गया है। माखननगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती मरीजों की स्थिति सामान्य है।

छिपकर कर रहे थे जंगल की कटाई, वन विभाग ने दबिश देकर पकड़ा

देवास। शनिवार को वन विभाग एवं पुलिस विभाग ने संयुक्त दल बनाया। दबिश देकर आरोपितों को पकड़ा।

उदयनगर, देवास। वन क्षेत्र में अवैध कटाई करने वाले लोगों को वन विभाग ने दबिश देकर पकड़ा। वन परिक्षेत्र पुंजापुरा बीट की सब रेंज किशनगढ़ के अंबापानी के कक्ष क्रमांक 722,724,725,एवं 726 में तीन माह से अवैध कटाई हो रही है। छिप-छिपकर आरोपित कटाई कर रहे थे। गिरोह द्वारा अतिक्रमण का प्रयास किया जा रहा था। शनिवार को वन विभाग एवं पुलिस विभाग ने संयुक्त दल बनाया। दबिश देकर आरोपितों को पकड़ा। ग्राम रामपुरा के व्यक्तियों द्वारा ऊंची पहाड़ी के ऊपर समतल क्षेत्र में सागवन के पेड़ों की कटाई कर जमीन निकालने का प्रयास किया जा रहा था। आरोपित 3 माह से वन विभाग को चकमा दे रहे थे।वन परिक्षेत्र अधिकारी नाहरसिंह भूरिया ने थाना प्रभारी बीडी बीरा से बात कर कार्रवाई की योजना बनाई। दबिश के दौरान 10 आरोपित जंगल में कटाई एवं आग लगाते हुए पाए गए।

आरोपित रामेश्वर पुत्र गुमानसिह, शंकर पुत्र रेमसिंह, सरदारसिंह पुत्र बोंदर, दिनेश पुत्र रेमसिंह, मदन पुत्र फिरंग्या, प्रताप पुत्र गुलसिंह, तुलसीराम पुत्र हरेसिंह, अनिल पुत्र मदन रेमसिंह, बल्लू मिश्रलाल बोंदर सभी आरोपित को वनविभाग का दल घेराबंदी कर गिरफ्तार कर पुंजापुरा कार्यालय लाया। वन अधिनियम के तहत कार्रवाई करके बागली न्यायालय में पेश किया। न्यायालय द्वारा जेल भेजा गया। नाहरसिंह भूरिया, उदयनगर परिक्षेत्र बिसनसिंह मौर्य एवं पुलिस थाना उदयनगर के थाना प्रभारी बीडी बीरा ने कार्रवाई की।

उन्हेल में ग्राहक बनकर आए बदमाश और लाखों के जेवरात ले उड़े

दो व्यक्ति ग्राहक बनकर आए थे। दोनों काफी देर तक जेवरात देखते रहे, इस दौरान उन्होंने कुछ आभूषण के फोटो भी खींच लिए।

उन्हेल । सब्जी मार्केट क्षेत्र में स्थित सुनील ज्वेलर्स के यहां शनिवार को दो ठग ग्राहक बनकर आए थे। दोनों काफी देर तक सोने के जेवरात देखते रहे और फिर वापस आने का कहकर वहां से चले गए। कुछ समय बाद दुकान संचालक को जेवरात कम नजर आए तो उन्होंने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जिसमें दोनों ठग करीब साढ़े तीन लाख रुपये के आभूषण से भरा बाक्स ले जाते हुए नजर आए हैं। पुलिस दोनों चोरों की तलाश में जुटी है। एक दिन पूर्व ही दो ज्वेलर्स के यहां नकली आभूषण रखकर 45 हजार रुपये की ठगी हुई थी।पुलिस ने बताया कि सुनील पुत्र गोविंदराम राठौर की सब्जी मंडी क्षेत्र में सुनील ज्वेलर्स नाम से दुकान है। शनिवार को दुकान पर सुनील के पिता गोविंदराम बैठे थे। उस दौरान दो व्यक्ति ग्राहक बनकर आए थे। दोनों काफी देर तक जेवरात देखते रहे, इस दौरान उन्होंने कुछ आभूषण के फोटो भी खींच लिए।

दोनों कुछ समय बाद खरीदी के लिए आने का कहकर वापस चले गए। दोनों के जाने के बाद राठौर को सोने के टाप्स, अंगूठी, पेंडल का बाक्स नदारद मिला। इस पर राठौर ने दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली तो उसमें दोनों बाक्स छुपाकर ले जाते हुए नजर आए। पुलिस ने फुटेज के आधार पर आरोपितों की पहचान भी कर ली है। सूत्रों का कहना है कि टीआइ कुशलसिंह रावत व टीम आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए मंदसौर व जावरा गई है। सोमवार को मामले का पर्दाफाश किया जा सकता है।

नकली जेवरात गिरवी रख 45 हजार का लगाया चूना

उन्हेल में शासकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने मालीखेड़ी निवासी एक वृद्ध को शुक्रवार को अनजान व्यक्ति मिला था। उसने वृद्ध से कहा कि आपके बेटे के ससुर की तबीयत खराब है। उपचार के लिए रुपये की आवश्यकता है। जिसके लिए यह रकम गिरवी रखना है। सेठ के यहां हमारा लेनदेन होने से वहां नहीं जा सकता हूं, आप यह रकम गिरवी रखकर पैसे लाकर दे दीजिए।

परिवहन मंत्रालय का आदेश

अप्रैल-2019 से पहले के वाहनों में 15 तक हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगाना जरूरी

इंदौर सहित प्रदेशभर में अप्रैल-2019 से पहले रजिस्टर्ड सभी वाहनों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगवाना अनिवार्य है। ऐसे प्रदेश के 25 लाख और इंदौर के करीब 6 लाख वाहन हैं। 15 दिसंबर तक नंबर प्लेट लगवाना होगी। परिवहन विभाग के अधिकारियों ने कहा इसके बाद चेकिंग अभियान चलाया जाएगा और जिन वाहनों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट नहीं मिली, उन वाहनों पर चालानी कार्रवाई की जाएगी। सड़क परिवहन मंत्रालय ने हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट के संबंध में पूर्व में आदेश जारी किया था।

हालांकि अब तक वाहनों में नंबर प्लेट नहीं लगी। अब परिवहन विभाग इसे लेकर सख्ती की तैयारी कर रहा है। आरटीओ प्रदीप शर्मा के अनुसार 15 दिसंबर तक 2019 या उसके पहले के रजिस्टर्ड सभी दो पहिया, चार पहिया वाहनों पर हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगाना अनिवार्य है। मुख्यालय से इस संबंध में आदेश आ गए हैं। वाहन चालक शोरूम से प्लेट लगवा सकते हैं या ऑनलाइन आवेदन भी कर सकते हैं।

25 लाख वाहन हैं प्रदेश में बिना हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट के

06 लाख वाहन शहर में, जिनमें हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट नहीं है

300 से 500 रुपए दोपहिया में नंबर प्लेट के लगेंगे

700 से 900 रुपए चार पहिया के लिए लगेंगे

वाहन चालकों की परेशानी, कैसे लगवाएं नंबर प्लेट, जानकारी ही नहीं

पुराने वाहनों में 5 दिन में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट कैसे लगाएं, इसे लेकर लोग परेशान हैं। वाहनों की संख्या भी ज्यादा है। लोगों को पता नहीं है कि प्लेट कैसे लगवाई जाए। इसे लेकर परिवहन विभाग ने प्रदेश में कोई जागरूकता अभियान भी नहीं चलाया। परिवहन मुख्यालय का कहना है, आचार संहिता के कारण जागरूकता अभियान नहीं चलाया जा सका। सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट के आदेश हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगाए जाने को लेकर हैं। इधर, मध्यप्रदेश के जिन वाहनों पर हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट नहीं है, वह गुजरात, दिल्ली या अन्य राज्य में जाते हैं तो चालान भी बन रहे हैं।

ऐसे लगवा सकते हैं हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट

वाहन चालक नजदीकी डीलर के यहां से हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगवा सकते हैं। इसके लिए शोरूम पर आवेदन करना होगा। वाहन की जानकारी देना होगी।

www.bookmyhsrp.com पर ऑनलाइन आवेदन भी कर सकते हैं। इसके लिए नंबर प्लेट बुलवाने का विकल्प चुनना होगा। इसके बाद राज्य, गाड़ी नंबर, रजिस्ट्रेशन नंबर, चेसिस नंबर आदि जानकारी देना होगी। इसके बाद ऑनलाइन पेमेंट करना होगा।

दो पहिया वाहन में 300 से 500 रुपए और फोर व्हीलर में 700-900 रुपए में नंबर प्लेट लगेगी।

(अप्रैल-2019 के बाद से वाहनों में डीलर ही हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगाकर दे रहे हैं।)

नए विधायकों के सामने बड़ी जिम्मेदारी-शहर को महानगर बनाने के 5 मुद्दे कागजों से जमीन पर लाएं

इस बार इंदौर में सभी विधायक भाजपा के जीते हैं। राज्य और केंद्र में सरकार भी भाजपा की है। अब नए विधायकों से शहर को बड़ी उम्मीदें हैं। इनमें सड़क-बिजली-पानी के अलावा इंदौर को महानगर बनाने वाले पांच प्रमुख मुद्दे हैं। इनमें मेट्रोपॉलिटन अथॉरटी का गठन, मेट्रो ट्रेन का विस्तार उज्जैन-पीथमपुर तक, मास्टर प्लान-2035, सुगम ट्रैफिक और नए रोजगार के लिए प्रस्तावित इकोनॉमिक कॉरिडोर सहित कुछ अन्य प्रोजेक्ट हैं। इन्हें समय पर पूरा करा दिया जाए तो 2028 तक शहर को महानगर का दर्जा दिलाने में आसानी होगी।

वर्तमान स्थिति में इन पांचों मुद्दों में से मेट्रो ट्रेन को छोड़कर बाकी सालों से कागजों में ही चल रहे हैं। विधायकों को इन मुद्दों को अपनी जिम्मेदारी के तौर पर लेकर एक व्यवस्था बनाने के लिए विधानसभा में आवाज बुलंद करना होगी। मेट्रोपॉलिटन अथारटी, आसपास के शहरों को जोड़ते हुए रेपिड रेल ट्रांजिट सिस्टम, सर्वश्रेष्ठ मास्टर प्लान जैसे मुद्दे शहर को ग्लोबल सिटी डेवलपमेंट के मानकों की कसौटी पर ले जाएंगे। राज्य व केंद्र में भाजपा की सरकार है होने से बजट की भी कोई परेशानी नहीं आएगी।

1. मेट्रोपॉलिटन 7 साल पहले घोषणा

2016 में मेट्रोपॉलिटन एरिया घोषित किया। 2018 में अथॉरटी के लिए समिति बनाई, 2020 मेट्रो ट्रेन का काम शुरू करने के लिए एरिया का नोटिफिकेशन किया। अथॉरटी के गठन का काम इसके बाद से ही ठंडे बस्ते में है।

2. मास्टर प्लान 2035 घोषणा को 3 साल

शहर में 2008 में लागू मास्टर प्लान-2021 ही धारा-16 के साथ लागू है। मार्च 2021 में मास्टर प्लान 2031 लागू होना था। लेकिन इसे मास्टर प्लान 2035 बनाने की घोषणा 2021 में हुई। जून तक ड्राफ्ट प्लान जारी होना था, लेकिन नहीं हुआ।

3. मेट्रो ट्रेन 10 साल हो गए प्रोजेक्ट को

घोषणा 2013 में हुई थी। अब दिसंबर-2026 तक इसे पूरा करने का दावा किया जा रहा है। फिलहाल 5 किमी ट्राइल रन हुआ। इसी बीच 2021 में सीएम ने मेट्रो का विस्तार उज्जैन-पीथमपुर तक करने की घोषणा की। फिलहाल सर्वे रिपोर्ट ही बन पाई।

4. ट्रैफिक एलिवेटेड 6 साल से घोषित

शहर में ट्रैफिक सुधार के लिए दो एलिवेटेड कॉरिडोर बीआरटीएस और जवाहर मार्ग पर घोषित किए गए। 2017-18 में बीआरटीएस पर टेंडर होने के बाद से ही फंसा है। एमआर-12 व एमआर-3 बनाने की कवायद 2011-12 से चल रही है।

5. नए रोजगार इकोनॉमिक कॉरिडोर

घोषणा 2012-13 में हुई। 2018 में निर्माण होना था। मामला जमीन अधिग्रहण में उलझा है। वहीं स्टार्टअप पार्क, आईटी टाउनशिप, शहर के समीप इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग व गारमेंट क्लस्टर तैयार होना हैं। इनसे 25 हजार से ज्यादा रोजगार मिलेंगे।

इंदौर में होम केयर सुविधाएं शुरु

हेल्थ केयर के मामले में इंदौर में अब विदेशों की तरह होम केयर का ट्रेंड आ गया है। मेडिसिन से लेकर नर्स तक की सुविधाएं पहले से उपलब्ध थीं, अब 24 घंटे नर्सिंग केयर, डॉक्टर, अधिकतर जांचों सहित ह्वष्ट व वेंटिलेटर भी जुड़ गए हैं। ये सेवाएं चुनिंदा अस्पतालों की निगरानी में ही मिल रही है।

होम केयर ट्रेंड का चलन इसलिए भी बढ़ रहा है कि मेडिक्लेम कंपनियों ने भी इस सेवा का क्लेम देना शुरू कर दिया है। लेकिन इसमें उन्हें अस्पतालों के बिल, ट्रीटमेंट जानकारी देना होती है।इन सेवाओं का लाभ कोमॉर्बिड (एक से ज्यादा बीमारी) वाले मरीज खासकर न्यूरोलॉजी, लकवाग्रस्त और हड्डियों के टूटने के केसों के मरीज होम केयर की सेवाएं ज्यादा ले रहे हैं। अस्पताल की तुलना में घर पर इनका खर्च 50त्न ही रह जाता है।

ऐसे मरीजों को मिलती है होम केयर सर्विसेज

डॉक्टरो के अनुसार होम केयर का कन्सेप्ट विदेशों में काफी पहले से था, लेकिन अब यहां भी शुरू हो गया है। एक मरीज अस्पताल में ज्यादा दिनों तक एडमिट नहीं रह सकता। होम केयर में अगर मरीज का पूरा डायग्नोसिस हो गया है, उसका यूनिफॉर्म ट्रीटमेंट लम्बे समय तक चलना है और अगर अस्पताल में एडमिट होना जरूरी नहीं है तो उन्हें होम केयर सर्विस दी जा सकती है।

इसमें ओपीडी सेवाएं, पैथालॉजी जांचें, मेडिसिन उपलब्ध कराना है। बड़ी सेवाओं में आईसीयू व वैंटिलेटर सेटअप भी उपलब्ध रहता है। इसमें कई खर्चे कम होने से इलाज का खर्च 50त्न से भी कम हो जाता है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन.22 सेक्टर एफ सांवेर रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया ,इंदौर,म.प्र. एवं जी-1,कॉस्मिक रीजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर, म.प्र. से प्रकाशित - संपादक गोपाल गावन्डे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र इंदौर रहेगा)